



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 14 फरवरी, 2000/25 माघ, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक विभाग  
(सचिवालय प्रशासन वेवाङ्ग-1)

अधिसूचना

शिमला-2, 6 जनवरी, 2000

संख्या कार्मिक (स0प्र0-1) ए0 (3) 1/93.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की सम-संख्यांक अधिसूचना तारीख 17-3-1997 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग सचिवालय प्रशासन वरिष्ठ वेतनमान आणुलिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन) वरिष्ठ वेतनमान आणुलिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति प्रथम संशोधन नियम, 2000 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध-अ में संशोधन.—हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग सचिवालय प्रशासन वरिष्ठ वेतनमान आणुलिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध 'अ' में:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“5800-200-7000-220-8100-275-9200 रुपये जमा 160/- रुपये सचिवालय भत्ता”।

(ख) स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :—

“अतः-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा”

(ग) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :—

कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपाबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाते के पश्चात् की गई थी :

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपाबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाते के पश्चात् की गई थी :

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिन में कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-98 तक की गई तदर्थ सेवा सहित जो, नियमित सेवा/नियुक्ति को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपाबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहाँ अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे विरिष्ट सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय भी कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे। परन्तु उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है कम से कम 3 वर्ष न्यूनतम अर्हता का या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति निबन्धों में विहित सेवा जो भी कम होगी, हो :

परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु क की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने के कारण अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.— अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि विरिष्ट अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्म्ड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रुलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रुलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसका अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी। यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपाबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एंड सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Per(SAS-I) A(3)-1/93, dated 6-1-2000 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

**PERSONNEL DEPARTMENT**  
(Secretariat Administrative Services-I)

**NOTIFICATION**

*Shimla-2, the 6th January, 2000*

**No. Per (SAS-I)A(3)-1/93.**—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Secretariat, Senior Scale Stenographers (Class-III-Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 notified *vide* this Department notification of even number dated 7-3-1997, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration) Senior Scale Stenographers (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2000.

(2) These rules shall come into force from the date of publication of these rules in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment in Annexure A.*—In Annexure-A to the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration) Senior scale Stenographers (Class-III-Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997:—

(a) For the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 5800-200-7000-220-8100-275-9200 plus Rs. 160/- Secretariat Allowance”.

(b) For the existing provisions against Column No. 10, following shall be substituted, namely:—

“100% by promotion failing which by deputation/transfer.”

(c) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Junior Scale Stenographers with 5 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-98), service in the grade failing which by deputation/transfer from amongst the incumbents of this post working in the identical pay scale from other Government Departments.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the conditions that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with provisions of R & P Rules provided that:

2. In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998 followed by regular service/appointment in the feeder post in view of the provisions referred to above), all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes eligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2). Similarly in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment against such post had been made after proper selection and in accordance with provisions of Recruitment and Promotion Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged”.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.